के० वी० प्रणाली, अन्तर्राज्यीय तथा अन्तर्क्षेत्रीय लिकों को समकालित करने जैसी नई प्रौद्योगिकी लागू किए जाने से पारेषण हानियों की मात्रा में कमी आएगी।

समुद्री लहरों के माध्यम से विद्युत उत्पादन

1859. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **विद्युत और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में समुद्री लहरों से विद्युत उत्पन्न करने वाली पहली परियोजना तैयार हो चुकी है; यदि हां, तो यह परियोजना किस स्थान पर स्थापित की गई है, उस पर कितनी धनराशि खर्च हुई है तथा उससे कितना विद्युत उत्पादन किये जाने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या यह सच है कि इस प्रकार से किये जाने वाले विद्युत उत्पादन में अन्य साधनों के माध्यम से किए जाने वाले विद्युत उत्पादन की अपेक्षा उत्पादन लागत कम लगती है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है तथा समुद्री लहरों के माध्यम से बनाई जाने वाली विद्युत की उत्पादन लागत कितनी होगी ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) जी हां। महासागर विकास विभाग द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास को 150 कि० वा० की लहर ऊर्जा युक्ति के विकास के लिए एक अनुसंधान और विकास परियोजना मंजूर की गई थी। आद्यरूप युक्ति की स्थापना त्रिवेन्द्रम तट से दूर विझींजाम में की गई और 21 अक्तूबर, 91 से इसका परीक्षण किया जा रहा है। अब तक इसमें लगभग 2.4 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है।

(ख) और (ग) चूंकि यह एक प्रायोगिक संयंत्र है इसलिए इस स्थिति में इसकी लागत का ठीक-ठीक अनुसार नहीं लगाया जा सकता, जोकि किसी भी स्थिति में परम्परागत स्रोतों द्वारा विद्युत उत्पादन की तुलना में सस्ती नहीं हो सकती क्योंकि पारंपरिक ऊर्जा स्रोत एक प्रमाणिक प्रौद्योगिकी है और इसके सापेक्ष मल्य की मितव्ययता प्रमाणित है।

देश में रुग्ण विद्युत परियोजनाएं

1860. **डा० अबरार अमहमद :**
श्री जगदीश जानी :

क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय कौन-कौन से विद्युत संयंत्र कार्य कर रहे हैं, उनकी उत्पादन क्षमता क्या है और विद्युत की खपत कितनी है तथा रुग्ण परियोजनाओं के नाम क्या हैं;

(ख) विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए सरकार के पास विचाराधीन पड़ी नई योजनाओं का ब्यौरा क्या है, वे कब तक स्थापित कर दिये जायेंगे तथा किन-किन स्थानों पर स्थापित किए जायेंगे और उनकी उत्पादन क्षमता कितनी होगी; और

(ग) राजस्थान में विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए कौन-कौन सी नई योजनाएं हैं और ऐसे संयंत्रों के क्या नाम हैं जिनके शीघ्र ही स्थापित किए जाने की सम्भावना है, ये कब तक स्थापित कर दिये जायेंगे और उन पर कितनी लागत आयेगी तथा उनकी उत्पादन क्षमता कितनी होगी ?

विद्युत और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) सूचना

एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

मध्य प्रदेश स्थित पेंच तापीय विद्युत स्टेशन का गैर-सरकारी औद्योगिक एकक को सौंपा जाना

1861. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक** ऊर्जा स्रोत मंत्री 26 नवम्बर, 1991 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 468 के दिए गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश से पेंच तापीय स्टेशन का कार्य किन-किन शर्तों पर अभी हाल में किसी गैर-सरकारी औद्योगिक एकक को दिया अथवा सौंपा गया है; और

(ख) इस प्रकार से उत्पन्न की गई बिजली की क्या दर वसूल की जायेगी तथा इसके उपभोक्ता कौन होंगे ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) मध्य प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि यथा-संशोधित विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 के प्रावधानों और इस संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसरण में उनके द्वारा एक निजी क्षेत्र फर्म को पत्र जारी किया गया है जिसमें जिला छिन्दवाड़ा के चौरासा गांव में 2×210 मे.वा. के पेंच ताप विद्युत केन्द्र की स्थापना, इसके प्रचालन एवं अनुरक्षण संबंधी कार्य उक्त फर्म को सौंपा गया है। मध्य प्रदेश सरकार ने दरों एवं सप्लाई के संबंध में शर्तों सहित किसी प्रकार की शर्तों के बारे में निर्णय नहीं किया है।

Canada's Performance in Chamera Hydro-Electric Project

1862. SHRI S. MADHAVAN: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether the Central Electricity Authority has sent report about the dismal performance of the Canadians in the statge I of Chamera Hydro-electric Project and if so, what are the details thereof;

(b) whether a high level enquiry committee was set up to probe into the collapse of transmission towers brought from Canada and if so, what are the details thereof; and

(c) whether Government have decided to entrust Chamera II stage to the same company inspite of their failures in Chamera I stage and if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) As part of its monitoring function, the Central Electricity Authority has been periodically monitoring and reviewing the progress of execution of various power projects in the country, including the Chamera H.E. Project, Stage-I which is being executed by the National Hydro-electric Power Corporation with financial and technical assistance from Canada. Though there has been some delay in the completion of the project, the CEA has not sent any report attributing the same to the Canadians.

(b) The NHPC set up a Committee headed by a General Manager to examine the failure of the Transmission towers brought from Canada. The possibilities, whether the failure could have been caused due to manufacturing defect or by the unprecedented high velocity of wind, are being looked into.